(v) Diversification of agriculture and development of integrated farming systems.

(c) 452 High yielding varities and hybrids of various field crops were released for general cultivation.

Economically viable and ecologically sound land use systems evolving Agroforestry and Live-stock component have been developed.

Technologies for management of saline-alkali soils, rainfed agriculture and efficient nutrient use have been developed.

Region-specific Integrated Pest Management modules have been developed.

Drafting of New Higher Education Policy

323. SHRI RAHASBIHARI BARIK: Will the Minister of HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT be pleased to state:

(a) whether Government have drafted a new Higher Education Policy;

(b) if so, the salient features thereof;

(c) the date when the new Higher Education Policy is going to be announced; and

(d) the steps taken in that direction?

THE MINISTER OF STATE IN THE DEPARTMENT OF EDUCATION IN THE MINISTRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (SHRI MUHI RAM SAIKIA): (a) and (b) National Policy of Education (NPE) was drafted by the Government in 1986. This policy was reviewed and suitably revised in 1992. The salient features of NPE, in so far as higher education sector is concerned, are indicated below:—

(i) Consolidation of, and expansion of facilities in the existing institutions.
(ii) Development of autonomous colleges.
(iii) Re-desigining of courses and programmes to meet the demands of specialisation better.
(iv) Establishment of State Councils of Higher Education (SCHES).
(v) Promotion of excellence of research.
(vi) Strengthening of open learning system.
(vii) Establishment of National Evaluation Organisation (NEO) for delinking degrees from jobs in selected areas.
(viii) Consolidation of the new pattern of the rural universities so as to take up the challenges of micro planning at the grass-roots level.

(c) and (d) Do not arise.

उर्वरकों का उत्पादन

324. **श्री रामजीलाल:** क्या रसायन और उर्वरक मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) देश में डी. ए. पी. सहित अन्य किन-किन उर्वरक का उत्पादन पर्याप्त नहीं है और कितनी मात्रा में;

(ख) विगत चार वर्षों के दौरान अन्य देशों से कौन-कौन से उर्वरक कितनी-कितनी मात्रा में आयात किए गए और इस प्रयोजन के लिए कितनी विदेशी मुद्रा खर्च की गई; और

(ग) देश उर्वरकों के उत्पादन में कब तक आत्मनिर्भर हो जायेगा और सरकार ने इस संबंध में जो कदम उठाये हैं, उनका विस्तृत ब्यौरा क्या है?

रसायन और उर्वरक मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री शीश राम ओला): (क) यूरिया एकमात्र उर्वरक है जिस पर सरकार का सांविधिक मूल्य तथा संचलन नियंत्रण है, यूरिया की अनुमानित मांग तथा स्वदेशी उपलब्धता के बीच के अन्तर को आयातों द्वारा पूरा किया जाता है। चूंकि अब फास्फेटिक उर्वरकों को नियंत्रण-मुक्त कर दिया गया है, और मूलतः डी. ए. पी. के रूप में इनका आयात मांग और आपूर्ति की बाजार शक्तियों के आधार पर किया जाता है। एम० ओ० पी० का, जो नियंत्रण-मुक्त और असरणीबद्ध भी है पूर्णतः आयात किया जाता है।

(ख) देश में किया गया उर्वरकों का वर्ष वार आयात और गत 4 वर्षों के दौरान उनका लागत